फ्लाईट द्वारा सिक्किम व भूटान
गंगटोक, दार्जिलिंग
पारो, पुनाखा, थिम्पू यात्रा

यात्रा समयः 12 दिन

यात्रा प्रारम्भः 16 अप्रैल, 09 जुलाई व 10 सितम्बर 2026

दिन	दर्शनीय स्थल
पहला दिन	**दिल्ली** से फ्लाईट द्वारा बागडोगरा के लिए प्रस्थान रात्रि सिलीगुड़ी में।
दूसरा दिन	**गंगटोक** प्राकृतिक सौंदर्य अवलोकन करते हुए गंगटोक होटल पहुँचेंगे लंच के बाद वाटर फॉल्स, बौद्धिस्ट मंदिर, मोनास्ट्री म्यूजियम, रोपवे, फूलों की प्रदर्शनी, ताशी व्यू प्वाइंट, गणेश टोक, हनुमान टोक, कॉटेज इंडस्ट्री, हैंडीक्राफ्ट सेंटर। (रात्रि विश्राम गंगटोक में)
तीसरा दिन	**नाथुला दर्रा** चाइना बॉर्डर, नया बाबा हरभजन सिंह मंदिर, छांगू लेक। यहाँ वोटर आई.डी. लाना ज़रूरी है। (रात्रि गंगटोक)
चौथा दिन	**नामची** प्रसिद्ध सिद्धेश्वर धाम मंदिर चारधाम मंदिर, साई मंदिर (रात्रि दार्जिलिंग)
पांचवां दिन	**दार्जिलिंग** चिड़ियाघर, हिमालयन माउंटेनियरिंग, तेनजिंग रॉक, पीस पगोडा, रिफ्यूजी सेंटर, मेरी टी गार्डन, सनराइज प्वाइंट, टाइगर हिल। (रात्रि दार्जिलिंग में)
छठवां दिन	**फुंटशोलिंग** गाड़ी द्वारा भूटान बॉर्डर के लिए प्रस्थान। (रात्रि जयगांव/फुंटशोलिंग)
सातवां दिन	**थिम्पू** के लिए प्रस्थान। रास्ते में सुंदर झरनों (वॉटरफॉल) का आनंद लेते हुए यात्रा करें। थिम्पू शहर पहुँचकर स्थानीय बाजारों का भ्रमण करें। होटल में चेक-इन कर रात्रि थिम्पू।
आठवां दिन	**पुनाखा** के लिए थिम्पू से प्रस्थान। पुनाखा द्जोंग, सस्पेंशन ब्रिज और सुरम्य घाटियों का दर्शन किया जाएगा। दिनभर प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने के बाद वापसी थिम्पू। (रात्रि थिम्पू)।
नवां दिन	**थिम्पू** बुद्धा पॉइंट, मेमोरियल चोर्टेन, हिन्दू टेम्पल भ्रमण कराते हुए पारो की ओर प्रस्थान। रास्ते भर पहाड़ी नजारों, पारो चू नदी और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद। (रात्रि पारो)।
दसवां दिन	**पारो** नेशनल म्यूजियम, पारो द्जोंग, टाइगर नेस्ट व्यू पॉइंट, रात्रि पारो।
ग्यारहवां दिन	**पारो** से चुखा बाँध दिखाते हुए जयगांव बॉर्डर हेतु प्रस्थान (रात्रि जयगांव/सिलीगुड़ी)।
बारहवां दिन	**बागडोगरा** से दिल्ली के लिए प्रस्थान व मधुर स्मृतियों के साथ यात्रा समाप्त।

यात्रा का किराया:- भोजन, चाय, नाश्ता, इनोवा/कोस्टर बस, डबल बेड होटल रूम, फ्लाईट (दिल्ली-बागडोगरा-दिल्ली) द्वारा का किराया ₹**59,000/-** प्रति सवारी। अग्रिम बुकिंग हेतु ₹**10,001/-** प्रति यात्री 'श्री शिव शंकर तीर्थ यात्रा' ऋषिकेश के S.B.I. बैंक खाते में या हमारी किसी भी अधिकृत बुकिंग एजेन्सी पर जमा करवा दें। शेष धनराशि यात्रा से पूर्व ली जायेगी। नाथुला दर्रा चाइना बॉर्डर जाने के लिए मिलिट्री की परमीशन लेनी पड़ती है, यह किसी कारणवश परमीशन नहीं मिलती है तो उसके स्थान पर छांगू लेक दिखाई जाएगी। पहाड़ियों पर A/C सुविधा नहीं रहेगी। दर्शनीय स्थलों का प्रवेश शुल्क और विशेष पूजा आदि का खर्च यात्री स्वयं वहन करेंगे। भूटान के लिए ओरिजनल वोटर कार्ड व पासपोर्ट होना जरुरी है। कृपया फ्लाइट यात्रा के नियम पेज नं. 31 को ध्यान पूर्वक पढ़ कर ही सीट बुक कराये।

फ्लाईट द्वारा यात्रा के नियम व सुविधाएं

1. यात्रियों के लिए यात्रा में सुबह चाय, नाश्ता, दोपहर व रात्रि भोजन में दाल, एक सब्जी, चावल, रोटी रहेगी। शाम को चाय होगी। दाल-चावल व रोटी में देशी घी का प्रयोग होगा। सब्जी व नाश्ते में रिफाइंड का प्रयोग होगा। चावल बासमती बनेगा। प्याज-लहसुन का प्रयोग पूर्णतः वर्जित होगा। भोजन शुद्ध शाकाहारी सात्विक बनाया जायेगा। यात्रा के दौरान तवा चपाती बनायी जायेगी व समय की उपलब्धता के अनुसार पूड़ी, पराठें व खिचड़ी भी बनायी जायेगी तथा यात्रा में समय अनुसार लंच पैकेट भी दिया जाएगा। रेल द्वारा लम्बी दूरी की यात्रा के दौरान भोजन की व्यवस्था I.R.C.T.C के अधिकृत भोजनालय से की जायेगी। दोपहर एवं रात्रि भोजन के साथ एक पानी की बोतल दी जायेगी।
2. रात्रि विश्राम के लिए होटल का प्रबन्ध यात्रियों के लिए डबल बैड रूम में किया जाएगा लेकिन अगर कोई अलग से सिंगल बेड रूम लेने चाहे तो ऐसे में ₹8000 प्रति रूम अतिरिक्त भुगतान करके ले सकते है। A/C सुविधा केवल चलती बस में रहेगी पार्किंग में खड़ी बस में यह सुविधा नहीं होगी। यात्री अपने साथ बुकिंग के समय दिए गए असली पहचान पत्र (आधार कार्ड/वोटर ID) और एक पासपोर्ट साइज फोटो अवश्य लाएं।
3. फ्लाइट यात्रा में पावर बैंक केवल हैंड बैग में रखें। कैंची, नेल कटर, चाकू, नारियल आदि सामान ले जाना वर्जित है। प्रत्येक यात्री 15 किलो चेक-इन बैग और 7 किलो हैंड बैग ले जा सकता है। बोर्डिंग पास फ्लाइट से 12 घंटे पहले व्हाट्सएप पर भेजा जाएगा। कृपया टिकट पर दिए टर्मिनल पर, फ्लाइट समय से 3 घंटे पहले डिपार्चर गेट पर संस्था के प्रतिनिधि से मिलें।
4. <u>यात्रा बुक होने के बाद यात्री अपनी सीट कैंसिल करवाता है तो अग्रिम धनराशि वापिस नहीं की जायेगी। दर्शनीय स्थलों का प्रवेश शुल्क यात्रियों द्वारा वहन किया जायेगा।</u>

यात्रियों को निम्नलिखित नियमों का पालन करना अनिवार्य है।

- यात्रा काल के दौरान आर्थिक, शारीरिक क्षति एवं सामान की जिम्मेदारी यात्री की स्वयं की होगी। व्यवस्थापक यात्रियों के नुकसान का जिम्मेदार नहीं होगा। फ्लाइट और रेल के नियमों का पालन करें।
- संस्था द्वारा बनाई गई रेल/फ्लाइट टिकट में सीट रेलवे/एयरलाइन तय करता है। कृपया आवंटित सीट पर यात्रा का आनंद लें। बस में सीट लॉटरी के माध्यम से आवंटित की जायेगी।
- यात्री को आवश्यकता पड़ने पर यात्री अपने खर्चे पर अस्पताल/डाक्टर की व्यवस्था अपनी सुविधानुसार कर सकते हैं। प्रत्येक यात्री टाईम टेबल के अनुसार चलने को बाध्य होंगे, यदि किसी कारणवश कोई ग्रुरप से अलग होता है तो अगले स्टेशन/गन्तव्य पर यात्री अपने खर्चे पर पहुचेगें। सभी बसे दर्शनीय स्थलो की पार्किंग तक जाएगी वहा से मंदिरों की दूरी नगण्य है इसलिए यात्री (स्वयं के खर्च 1से) पैदल अथवा रिक्शे से वहाँ जा सकते हैं। इस प्रकार यात्रियों को पैदल कम चलना पड़ेगा।
- यदि कोई यात्री किन्हीं कारणवश अथवा अस्वस्थ होने की वजह से अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर घर वापिस आना चाहेगा तो उस अवस्था में यात्री को व्यवस्थापक की तरफ से केवल घर तक पहुंचाने हेतु रेलवे का स्लीपर क्लास का टिकिट ही दिया जायेगा। यह व्यवस्था भी केवल यात्रा समाप्ति के 5 दिन पूर्व तक लागू होगी। किराया वापसी किसी भी अवस्था में देय नहीं होगा।
- यात्रा में फ्लाइट लेट होने / बस खराब होने/ मौसम खराब होने/साप्ताहिक अवकाश/ बन्द/ रैली आदि के कारण सें किसी स्थान पर दर्शन ना होने पर व्यवस्थापक द्वारा कार्यक्रम में जो भी बदलाव किया जायेगा, यात्रियों से निवेदन है कि परिस्थतियों को समझते हुए उसमें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें।
- यात्रा काल में मैनेजर यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधा देने की कोशिश करेंगे परन्तु फिर भी यात्रा के दौरान थोड़ी असुविधा होना स्वाभाविक है। उस समय 'परदेश नरेश कलेशन' की कहावत के अनुसार तपस्या की भावना से उसे सहन करें व मैनेजर को पूर्ण सहयोग प्रदान करें।